

आज
की खबर
आज

दोगुनी रफ्तार से पिघल रहे हैं हिमालय के ग्लेशियर!

काठमांडू। हिंदू कुश हिमालय का विशाल क्षेत्र सिर्फ पहाड़ों का सिलसिला नहीं है, बल्कि इसे एशिया का वाटर टावर कहा जाता है क्योंकि यह दुनिया की एक बड़ी आबादी की प्यास बुझाता है। लेकिन आज यही जीवनदायिनी क्षेत्र एक बेहद गंभीर संकट से जुड़ा रहा है। काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (कच्छटडऊ) ने अपनी दो हालिया रिपोर्टों में एक डरावनी हकीकत सामने रखी है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2000 के बाद से यहां ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार दोगुनी हो चुकी है, और अगर 1975 से तुलना करें तो बर्फ की मोटाई में 27 मीटर तक की भारी गिरावट आ चुकी है।

भारत, नेपाल, भूटान और चीन जैसे पड़ोसी देशों के लिए यह केवल पर्यावरण से जुड़ी कोई सामान्य खबर नहीं है, बल्कि एक सीधा खतरा है। ग्लेशियरों का यह तेजी से खत्म होना निचले इलाकों में रहने वाले उन दो अरब लोगों के भविष्य को सीधे तौर पर दांव पर लगा रहा है, जिनकी जिंदगी, खेती और पानी की हर बूंद इसी हिमालय से आने वाली नदियों पर टिकी है। कुछ ही दिन पहले नेपाल में आई फ्लैश फ्लड के वास्तविक कारणों की जांच वैज्ञानिक और शोधकर्ता कर रहे हैं, जिसमें 272 लोगों की जान चली गई। हालांकि, कई विशेषज्ञ इसके पीछे कई

कारकों के मिले-जुले प्रभाव को जिम्मेदार मान रहे हैं। इनमें सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि 4,000 मीटर और उससे अधिक की ऊंचाई पर अब बर्फबारी के बजाय बारिश हो रही है।

केंद्र सरकार के देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के एक वैज्ञानिक ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग यह स्पष्ट कर सकती है कि उन ऊंचाइयों पर बारिश क्यों हो रही है जहां पहले बर्फ गिरती थी, और ग्लेशियर इतनी तेजी से क्यों सिकुड़ रहे हैं।

इनमें से एक रिपोर्ट कि ग्लेशियर आउटलुक 2026, जिसने 38 निगरानी वाले ग्लेशियरों के डेटा का विश्लेषण किया, में पाया गया कि साल 2000 के बाद से ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया है। यह इस बात का मजबूत संकेत है कि हिमालयी क्रायोस्फीयर के कुछ हिस्से अपरिवर्तनीय नुकसान के महत्वपूर्ण बिंदु के करीब पहुंच रहे हैं हालांकि, रिपोर्ट में डेटा की कमी को भी उजागर किया गया है। निगरानी किए जा रहे 38 ग्लेशियरों में से केवल सात ही वर्ल्ड ग्लेशियर मॉनिटरिंग सर्विस के वैश्विक मानकों को पूरा करते हैं। काराकोरम, सिक्किम, जांस्कर और भूटान जैसे भारी ग्लेशियर उपस्थिति वाले कई क्षेत्र अभी भी बड़े पैमाने पर निगरानी से बाहर हैं।



क्या हिमस्खलन से आई बाढ़?

शोधकर्ता अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अधिक ऊंचाई वाले स्थान से बर्फ और चट्टानों के खिसकना इस भयानक बाढ़ को जन्म दिया। माना जा रहा है कि बर्फ और चट्टानों के मलबे की एक बड़ी मात्रा भोटे कोशी नदी की सहायक नदी लेंडे खोला में गिर गई, जिससे पानी, गाद और पत्थरों का एक तेज बहाव अचानक नीचे की ओर आ गया। एक वरिष्ठ क्रायोस्फीयर विशेषज्ञ और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में एसोसिएट प्रोफेसर, मोहम्मद फारुक आजम ने बताया, यह जलवायु परिवर्तन से संबंधित है क्योंकि बर्फ का आवरण कम हो रहा है, ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं, और अधिक चट्टानी या बंजर क्षेत्र उजागर हो रहे हैं। ये क्षेत्र अधिक गर्मी सोखते हैं जिससे ढलान अधिक अस्थिर और संवेदनशील हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि सटीक कारण का अभी पता नहीं चला है, लेकिन यह तेजी से सिकुड़ते ग्लेशियरों और पर्माफ्रॉस्ट क्षरण के कारण बर्फ के कम होते आवरण की ओर इशारा करता है।

महिला एशिया कप का आज से धमाका

नई दिल्ली। महिला एशिया कप की शुरुआत आज से हो रही है। एशिया की आठ टीमों में इस टूर्नामेंट के लिए दुबई में लड़ाई लड़ेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतर रही है, लेकिन वह बाकी टीमों को हलके में नहीं ले सकती। आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत को पाकिस्तान, थाईलैंड, हॉंग कॉन्ग के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में यूएई, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया हैं। हर ग्रुप की दो शीर्ष टीमों अगले दौर में पहुंचेंगी और फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के पहले मैच में यानी आज थाईलैंड का सामना हॉंग कॉन्ग से होगा। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ खेलेगी। जिस मुकाबले का सबसे ज्यादा इंतजार है वो है भारत और पाकिस्तान का मैच। ये मैच पांच सितंबर को रात आठ बजे खेला जाएगा।

नेपाल में तबाही: लगतार बढ़ रहा मौतों का आंकड़ा अब तक 475 की मौत

काठमांडू (नेपाल)। नेपाल में बुधवार को आई प्रलयकारी भोटे कोशी बाढ़ ने पूरे देश में भारी तबाही मचाई है, जिसमें अब तक मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 475 हो चुका है। इस प्राकृतिक आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है, लेकिन इसी बीच तिब्बत सीमा पर दोबारा डैम फटने और पड़ोसी देश चीन में आए भूकंप ने नेपाल की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उफनती नदियों और लगातार भूस्खलन के बीच लापता लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए नेपाल पुलिस और सेना की टीमों अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रही हैं। नेपाल पुलिस से मिले ताजा आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह आई विनाशकारी भोटे कोशी बाढ़ के बाद राहत टीमों ने अब तक कुल 475 शव बरामद किए हैं। इस प्रलय में अब तक 1,545 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं, जिन्हें बचाकर सुरक्षित अस्पतालों में पहुंचाया गया है। तबाही का दायरा इतना बढ़ा है कि नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, प्रभावित इलाकों में अभी भी 667 पर्यटक और यात्री लापता हैं, जिनमें 127 स्थानीय नेपाली नागरिक भी शामिल हैं।

सभी शहरवासियों को रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हार्दिक शुभकामनायें

बृजेश गर्ग

राजेश गर्ग

अभिषेक गर्ग

कनव गर्ग

रोहित गर्ग

अनिकेत गर्ग

शोभित गर्ग